

# 古诗百首

秋日等九十二首

兆芳藩 甘雪娟编注

教育出版社

# 古诗一首

郑万泽 姚芳藩 甘雪娟编注

上海教育出版社

**古诗一日一首(秋)**

郑万泽 姚芳藩 甘雪娟编注

上海教育出版社出版

(上海永福路 123 号)

新华书店上海发行所发行 上海市印刷四厂印刷

开本 787×960 1/32 印张 6 字数 95,000

1984 年 12 月第 1 版 1984 年 12 月第 1 次印刷

印数 1—230,000 本

统一书号: 7150·3050-3 定价: 0.65 元

## 编 者 的 话

《古诗一日一首》共四辑。这一辑选注各种体裁、各种内容的古诗九十二首，供中学生和同等文化程度的读者阅读、欣赏。每首诗有简要的注释、作者（作品）简介和题解。注释词语，则在该词语下面加着重号；全句串讲，句下则不加着重号。

限于编者水平，校订、注释容有谬失，欢迎读者批评指正。

# 秋

---

## 目 录

|         |      |     |
|---------|------|-----|
| 秋日      | 高 翥  | 370 |
| 山中杂诗    | 吴 均  | 372 |
| 竹里馆     | 王 维  | 374 |
| 别诗      | 张 融  | 376 |
| 野望      | 翁 卷  | 378 |
| 寻陆鸿渐不遇  | 皎 然  | 380 |
| 入若耶溪    | 王 籍  | 382 |
| 夜上受降城闻笛 | 李 益  | 384 |
| 军中夜感    | 张家玉  | 386 |
| 秋夜曲     | 张仲素  | 388 |
| 寄衣曲     | 罗与之  | 390 |
| 枫桥夜泊    | 张 继  | 392 |
| 乐游原     | 李商隐  | 394 |
| 江上      | 王安石  | 396 |
| 村居      | 张舜民  | 398 |
| 原上新居    | 姚 合  | 400 |
| 在金日作    | 宇文虚中 | 402 |
| 续小娘歌    | 元好问  | 404 |
| 芙蓉楼送辛渐  | 王昌龄  | 406 |

|         |        |     |
|---------|--------|-----|
| 江楼感旧    | 赵 嘏    | 408 |
| 咸阳城东楼   | 许 浑    | 410 |
| 闻砧有感    | 吕 温    | 412 |
| 书河上亭壁   | 寇 准    | 414 |
| 村居      | 文 同    | 416 |
| 敕勒歌     | 《北朝民歌》 | 418 |
| 旅行      | 殷尧藩    | 420 |
| 鱼苗船     | 查慎行    | 422 |
| 渔父      | 张志和    | 424 |
| 寄扬州韩绰判官 | 杜 牧    | 426 |
| 乡思      | 李 觥    | 428 |
| 重别周尚书   | 庾 信    | 430 |
| 蜀道后期    | 张 说    | 432 |
| 登余干古县城  | 刘长卿    | 434 |
| 宿金沙江    | 杨 慎    | 436 |
| 军城早秋    | 严 武    | 438 |
| 榆河晓发    | 谢 榛    | 440 |
| 山行      | 杜 牧    | 442 |
| 赠刘景文    | 苏 轼    | 444 |
| 襄邑道中    | 陈与义    | 446 |
| 村行      | 王禹偁    | 448 |
| 禾熟      | 孔平仲    | 450 |
| 田家      | 陈师道    | 452 |
| 云州秋望    | 屈大均    | 454 |
| 秋日杂感    | 陈子龙    | 456 |

|           |        |     |
|-----------|--------|-----|
| 月夜        | 杜 甫    | 458 |
| 夜雨寄北      | 李商隐    | 460 |
| 夜夜曲       | 沈 约    | 462 |
| 次北固山下     | 王 湾    | 464 |
| 送胡崱孩赴长江   | 王士禛    | 466 |
| 丹阳送韦参军    | 严 维    | 468 |
| 新安谣       | 李 禛    | 470 |
| 小车行       | 陈子龙    | 472 |
| 中秋月       | 苏 軾    | 474 |
| 嫦娥        | 李商隐    | 476 |
| 刈麦行       | 沈德潜    | 478 |
| 利州        | 汪元量    | 480 |
| 孤雁        | 杜 甫    | 482 |
| 白雁        | 钱中谐    | 484 |
| 岳鄂王墓      | 赵孟頫    | 486 |
| 狱中题壁      | 谭嗣同    | 488 |
| 戊戌八月感事    | 严 复    | 490 |
| 宿桐庐江寄广陵旧游 | 孟浩然    | 492 |
| 赠秀才入军     | 嵇 康    | 494 |
| 东阳道中      | 黄镇戍    | 496 |
| 遣悲怀       | 元 稹    | 498 |
| 夜书所见      | 叶绍翁    | 500 |
| 夜坐        | 张 耒    | 502 |
| 少年行       | 令狐楚    | 504 |
| 长歌行       | 《乐府诗集》 | 506 |

|                        |     |     |
|------------------------|-----|-----|
| 小廊                     | 郑 燮 | 508 |
| 江宿                     | 汤显祖 | 510 |
| 溪叟                     | 景 云 | 512 |
| 结庐在人境                  | 陶渊明 | 514 |
| 长安九日诗                  | 江 总 | 516 |
| 九月九日忆山东兄弟              | 王 维 | 518 |
| 行军九日思长安故园              | 岑 参 | 520 |
| 野老歌                    | 张 籍 | 522 |
| 轻肥                     | 白居易 | 524 |
| 渡河北                    | 王 褒 | 526 |
| 塞路初晴                   | 雍 陶 | 528 |
| 观猎                     | 王 维 | 530 |
| 云 来 鵬                  |     | 532 |
| 登飞来峰                   | 王安石 | 534 |
| 萤火                     | 赵执信 | 536 |
| 登高                     | 杜 甫 | 538 |
| 九日齐山登高                 | 杜 牧 | 540 |
| 早发                     | 宗 泽 | 542 |
| 十一月四日风雨大作              | 陆 游 | 544 |
| 子夜吴歌                   | 李 白 | 546 |
| 山居秋暝                   | 王 维 | 548 |
| 八月辞故里                  | 张煌言 | 550 |
| 闻意索三门湾,以兵轮三艘迫浙江,<br>有感 | 康有为 | 552 |



## 秋 日

高 翥

庭草銜秋自短长，  
悲蛩传响答寒蛩。  
豆花似解通邻好，  
引蔓殷勤远过墙。

7月1日

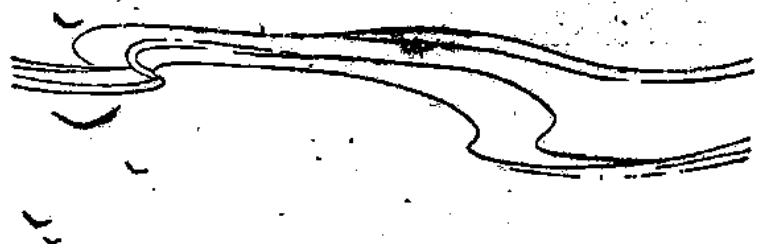
庭草銜秋(接受秋气)自短  
长,悲蛩(qióng,蟋蟀)传响答寒  
蛩(jiāng,寒蝉)。豆花似解(懂  
得)通邻好,引蔓(豆蔓)殷勤远过  
墙。

### 【作者简介】

高翥(约1189年前后在世,  
翥,zhù),余姚(今浙江余姚)人。  
南宋诗人。

### 【题解】

这首诗以眼前的物态动静写  
出了秋日的真实风光。



## 山中杂诗

吴 均

山际见来烟，  
竹中窥落日。  
鸟向檐上飞，  
云从窗里出。

7月2日

山际(山边)见来烟(飘来的烟雾),竹中窥落日(在浓密的竹丛中窥见西落的太阳。窥, kUT, 从缝隙间看)。鸟向檐上飞(山中人少,鸟不畏人,在屋檐飞舞),云从窗里出(房屋在高山上,云好象从窗里飘出)。

#### 【作者简介】

吴均(469—520),字叔庠,吴兴故鄣(今浙江安吉)人。南朝梁时文学家。

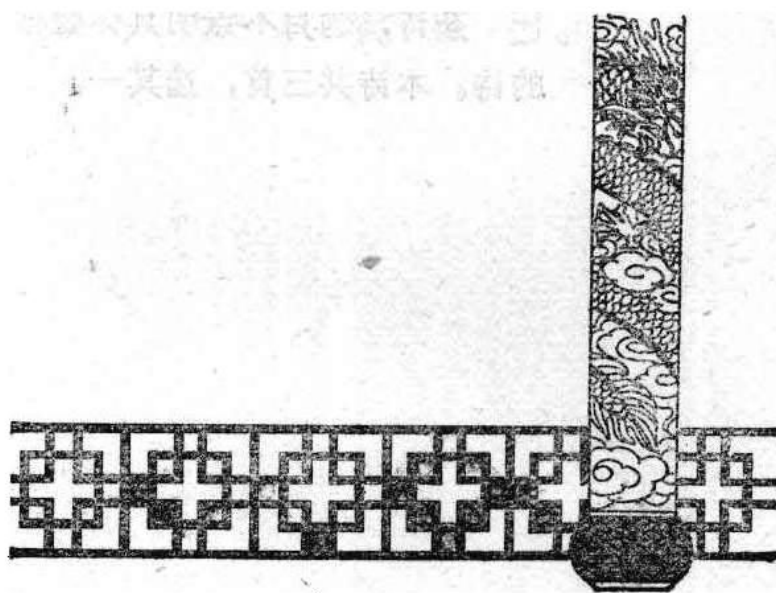
#### 【题解】

杂诗,题目不点明具体题材的诗。本诗共三首,选其一。

# 竹里馆

王 维

独坐幽篁里，  
弹琴复长啸。  
深林人不知，  
明月来相照。



7月3日

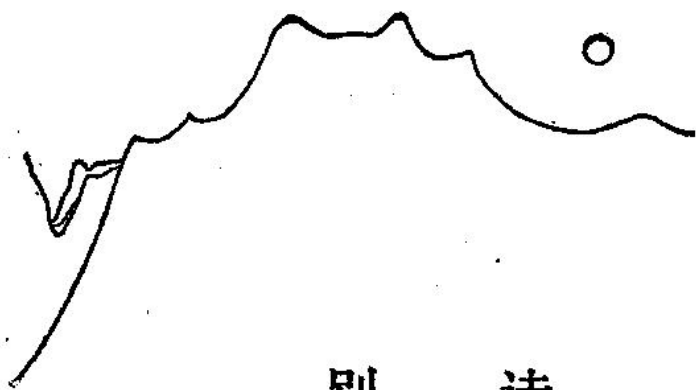
独坐幽篁（幽深的竹林）里，  
弹琴复（又）长啸（嘍咄声。古代清  
高的文人，好用长啸来抒情）。深  
林人不知（我隐居山林之中，不为  
人们所知道），明月来相照（只有  
明月照着我，和我作伴）。

### 【作者简介】

王维（701—761），字摩诘，太  
原祁（今山西祁县）人。唐代著名  
的诗人、画家。

### 【题解】

这是作者的田园组诗《辋川  
集》中的一首。辋川，水名，在今陕  
西蓝田终南山下，作者在这里有  
山庄。竹里馆，山庄的一处亭榭。



## 别 诗

张 融

白云山上尽，  
清风松下歇。  
欲识离人悲，  
孤台见明月。



7月4日

白云山上尽(山上的白云都飞尽了), 清风松下歇(松下的清风也停息了)。欲识离人悲(要知道分离者的悲哀), 孤台见明月(只有孤零零的楼台上明月相照)。

### 【作者简介】

张融(?—497), 字思光, 吴郡(今江苏苏州)人。南朝齐时诗人。

### 【题解】

古人离别时常赋诗。这首诗以自然景物衬托离人的情怀。